स्थापना वर्ष 1996 पंजीयन क्रमांक. 7917/2000

जग सिर मौर बनाएँ भारत

विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली से मार्गदर्शित
एवं सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान म.प्र. भोपाल से सम्बद्ध

सरस्वती शिशु मंदिर माध्यमिक आवासीय विद्यालय

'मातृभूमि' मुख्य मार्ग, सियरमऊ,
तह. सिलवानी, जिला-रायसेन (म.प्र.)
दूरभाष : 9630943043, 9691529464, 9179990154

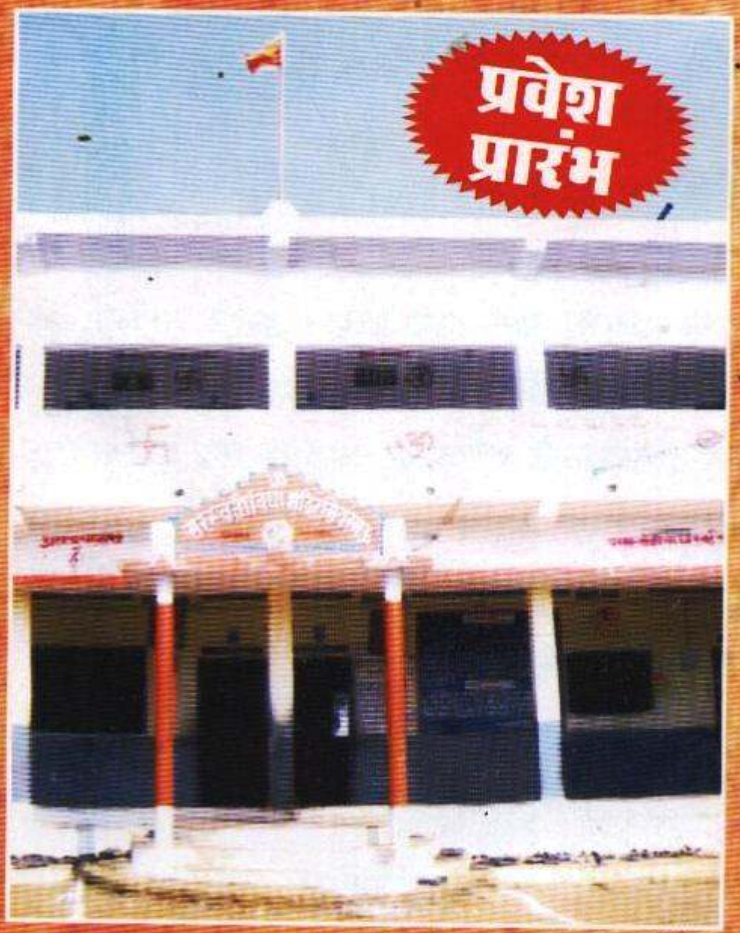

वास्तव में शिक्षा मूलत: ज्ञान के प्रसार का माध्यम है, चिंतन का एक तरीका है, एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक जीवन के सही मूल्यों को पहुँचाना तथा भावी पीढ़ी को आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना है।

- श्री गुरुजी

प्रवेश संबंधी सूचनाएँ

- कक्षा शिशु अरुण (के.जी.1) से अष्टम् तक प्रवेश खुला रहेगा।
- कक्षा शिशु अरुण में प्रवेश हेतु निर्धारित 40 स्थान हैं। शेष कक्षाओं में स्थान सीमित।
- प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन पर सरस्वती शिशु मंदिर कार्यालय से 1 अप्रैल से प्राप्त करें। आवेदन पत्र का मूल्य 10/- रुपये है।
- आवेदन जमा करते समय प्रवेश परीक्षा की तिथि बताई जाएगी। प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने पर ही प्रवेश दिया जाएगा।
- प्रवेश परीक्षा में जिस कक्षा में प्रवेश चाहिए उस कक्षा की पूर्व कक्षा (उत्तीर्ण कक्षा) के पाठ्यक्रम पर आधारित एक संयुक्त प्रश्न-पत्र होगा। इसमें गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, सामान्य ज्ञान एवं सामान्य बुद्धिमता-तर्क शक्ति के वस्तुनिष्ठ एवं वर्णनात्मक प्रश्न होंगे। परीक्षा अवधि 1 घण्टे निर्धारित है।
- प्रवेश परीक्षा एवं उत्तीर्ण कक्षा दोनों में 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है।
- उक्त नियमों में संशोधन व शुल्क परिवर्तन का अधिकार विद्यालय के पास सुरक्षित होगा।
- शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम। समर्पित, उच्चशिक्षित, प्रशिक्षित आचार्य/दीदीओं द्वारा अध्यापन कार्य।
- सामाजिक समरसता एवं अभावग्रस्त भैया-बहिनों के शिक्षण हेतु नि:शुल्क संस्कार केंद्र का संचालन।
- शिशु कक्षाओं हेतु आधुनिक शिशु वाटिका की व्यवस्था।

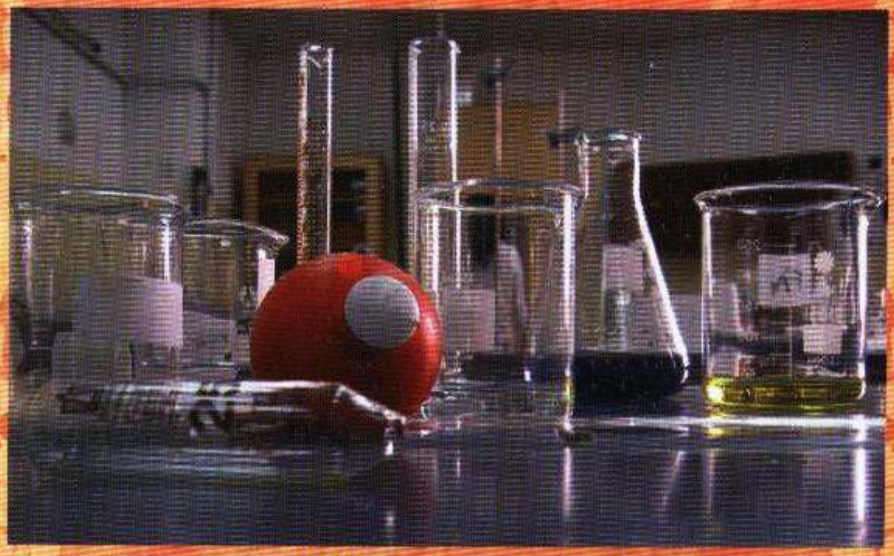

विशेषताएँ

- विशाल खेल परिसर में ह्वालीवाल, कबड्डी, खोखो, एथलेटिक्स के पृथक-पृथक मैदान।
- समृद्ध पुस्तकालय जिसमें सभी पत्र-पत्रिकाएँ एवं ज्ञानवर्धक साहित्य।
- अंग्रेजी शिक्षण एवं वेदिक गणित की विशेष कक्षाएँ।
- संगीत, चित्रकला, योग, व्यायाम का अतिरिक्त प्रशिक्षण।
- विद्यालय का स्वयं का घोष (बैण्ड)।
- वर्ष में एक बार भारत भ्रमण की व्यवस्था।
- शारीरिक, योग, संगीत, संस्कृत व वैदिक आध्यात्मिक शिक्षा।

शुल्क विवरण

क्र.	विवरण	शिशु से द्वितीया	तृतीया से पंचमी	षष्ठी से अष्ठमी
1.	प्रथम अंशक (प्रवेश के सयम)	500	600	800
2.	द्वितीय अंशक (सितम्बर-अक्टूबर)	250	300	400
3.	तृतीय अंशक (फरवरी-मार्च)	250	300	300
	योग	1000	1200	1500

- समस्त शुल्क का भुगतान एक साथ भी किया जा सकता है।
- शुल्क जमा करने के उपरांत ही भैया-बहिनों को प्रवेश दिया जा सकेगा।

प्रस्तावना

विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान विश्व का सबसे बड़ा अशासकीय शिक्षण संस्थान है। सन् 1952 में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में प्रथम शिशु मंदिर से प्रारंभ योजना अपनी स्वर्ण जयंती मना चुकी है। विद्याभारती के मार्गदर्शन में आज लगभग 30 हजार विद्यालय देश में संचालित हैं एवं ऐसी शिक्षा प्रणाली का विकास किया गया है जिससे छात्रों का सर्वांगीण विकास हो एवं उनका जीवन अपने राष्ट्र के समग्र विकास एवं संस्कृति को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिलाने हेतु समर्पित हो।

परिसर

लगभग 7 एकड़ भूमि पर फैला विद्यालय परिसर आधुनिक शिक्षा तकनीक और सर्वांगीण विकास की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। विशाल कक्षा कक्षों वाले अलग-अलग शैक्षणिक खण्डों के अतिरिक्त विज्ञान मण्डपम, पुस्तकालय एवं वाचनालय से युक्त विद्यालय भवन है। इसके साथ ही खेलकूद सुविधाएँ, छात्रावास, जैविक एवं औषधीय कृषि प्रक्षेत्र भी उपलब्ध है। सारी व्यवस्थाओं का सम्मिश्रण बालक के सर्वांगीण विकास की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

हमारा लक्ष्य

इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है जिसके द्वारा ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण हो सके जो हिंदुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो, शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित हो तथा जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके और उसका जीवन ग्रामीण, वनवासी, गिरिकन्दराओं एवं झुग्गी-झोपड़ियों में निवास करने वाले दीन-दुःखी अभावग्रस्त अपने बान्धवों को सामाजिक कुरीतियों, शोषण एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्र जीवन को समरस, सुसम्पन्न एवं सुसंस्कृत बनाने के लिए समर्पित हो।